खबर संक्षेप

बरसात में बरतें विद्युत सुरक्षा, पोल-ट्रांसफार्मर और तारों से रखें सुरक्षित दूरी

शहडोल। बारिश के मौसम में तेज आंधी, तूफान और लगातार वर्षा के कारण विद्युत दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। इसे देखते हुए विद्युत विभाग ने जिलेवासियों से विशेष सावधानी बरतने और सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की है। कार्यपालन अभियंता विद्युत विभाग जितेंद्र गुप्ता ने नागरिकों से कहा है कि विद्युत पोल, ट्रांसफार्मर तथा हाईटेंशन एवं एलटी विद्युत लाइनों से पर्याप्त दूरी बनाए रखें। साथ ही अपने पालतू पशुओं को बिजली के खंभों या स्टे वायर से न बांधें। बारिश के दौरान गीले हाथों अथवा नंगे पैर किसी भी विद्युत उपकरण, तार या स्विच बोर्ड को छूने से बचें। उन्होंने बताया कि जलभराव वाले स्थानों पर बिजली के खंभों के पास जाना खतरनाक हो सकता है। ऐसे स्थानों पर रखे विद्युत उपकरणों का उपयोग नहीं करना चाहिए। घरों की पुरानी या खराब वायरिंग, ढीले कनेक्शन, पानी का रिसाव और कमजोर अर्थिंग भी करंट फैलने का कारण बन सकते हैं। इसलिए समय-समय पर प्रमाणित इलेक्ट्रीशियन से घरेलू वायरिंग और अर्थिंग की जांच अवश्य करानी चाहिए। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि कटे-फटे विद्युत तारों को तुरंत बदलें और केवल आईएसआई मार्क वाले विद्युत उपकरण एवं तारों का ही उपयोग करें। घरों में मिनिएचर सर्किट ब्रेकर (एमसीबी) और उचित अर्थिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करें। यदि कहीं बिजली का तार, केबल या पोल टूटा हुआ दिखाई दे तो उसके पास न जाएं और न ही उसे हटाने का प्रयास करें। ऐसी स्थिति जानलेवा साबित हो सकती है। किसी भी विद्युत आपात स्थिति, दुर्घटना की आशंका अथवा टूटे हुए तार की सूचना तत्काल विद्युत विभाग को दें। विद्युत संबंधी शिकायत या आपात स्थिति में उपभोक्ता टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1912 पर संपर्क कर सकते हैं अथवा अपने निकटतम विद्युत वितरण केंद्र में सूचना दे सकते हैं।

मौसमी बीमारियों से रहे सतर्क एवं जागरूकः सीएमएचओ

शहडोल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने जिले के नागरिको से वर्षाऋतु में होने वाली बीमारियो के बचाव संबंधित अपील करते हुए कहा कि वर्षाऋतु के दौरान शहडोल जिले के विभिन्न क्षेत्रों में उल्टी, दस्त, डायरिया, मलेरिया, डेंगू, सर्दी, जुकाम सहित अन्य संक्रामक बीमारियों के मामले बढने की संभावना रहती है। उन्होंने कहा कि वर्षाऋतु में होने वाली बीमारियो से आमजन को जागरूक एवं सतर्कता बरतनें की आवश्यकता होती है। उन्होंने कहा कि भोजन करने से पहले तथा शौच के बाद साबुन और स्वच्छ पानी से अच्छी तरह हाथ धोएं, हमेशा ताजा एवं गर्म भोजन का सेवन करें, भोजन और पेयजल को ढककर रखें। केवल स्वच्छ एवं सुरक्षित पानी का उपयोग करें, अपने घर और आसपास साफ-सफाई रखें। उन्होंने कहा कि अस्वस्थ्य होने पर त्वरित चिकित्सकीय परामर्श ले जिससे बीमारी का समुचित उपचार किया जा सकें। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राजेश मिश्रा ने जिलेवासियों से विशेष सावधानी बरतने तथा बीमारी के लक्षण दिखाई देने पर तत्काल स्वास्थ्य विभाग को सूचना देने की अपील की है।

सीएमएचओ ने किया प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र देवलोंद एवं परियोजना चिकित्सालय का निरीक्षण

शहडोल। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (सीएमएचओ) डॉ. राजेश मिश्रा ने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र देवलोंद एवं परियोजना चिकित्सालय का औचक निरीक्षण कर स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, दवा वितरण, साफ-सफाई, मरीजों को प्रदान की जा रही सेवाओं तथा आवश्यक व्यवस्थाओं की समीक्षा की।सीएमएचओ डॉ. मिश्रा ने अस्पताल प्रबंधन एवं स्वास्थ्य कर्मियों को निर्देशित करते हुए कहा कि मरीजों को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता है। उन्होंने अस्पताल में पाई गई कमियों को शीघ्र दूर करने तथा आवश्यक सुधारात्मक कार्य निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।<

शहडोल नगर पालिका का जहरीला खेल

नलों से टपक रहा गंदा पानी, सड़कों पर गड्ढों का राज

सो रहे साहब और लापता हैं जनप्रतिनिधि

शहडोल।

जिला मुख्यालय की नगर पालिका परिषद इन दिनों विकास के दावों के नाम पर जनता के सब्र का कड़ा इम्तिहान ले रही है। शहर की सरकार इस कदर संवेदनहीन हो चुकी है कि उसे न तो सडक़ों पर तड़पती जनता की परवाह है और न ही घरों में पहुंच रहे धीमे जहर की। जी हां, इन दिनों शहडोल नगर पालिका द्वारा शहर के घरों में जो पानी सप्लाई किया जा रहा है, वह पीने लायक तो दूर, हाथ धोने के काबिल भी नहीं है। नलों से मटमैला, बदबूदार और गंदा पानी टपक रहा है, लेकिन इस गंभीर लापरवाही पर न तो नगर पालिका के प्रशासनिक अफसरों के कान पर जूं रेंग रही है और न ही जनता के वोटों पर ऐश करने वाले माननीय पार्षदों को इसकी कोई चिंता है।

बीमारियां बांट रही है नगर पालिका

शहर के विभिन्न वार्डों से आ रही तस्वीरें बेहद डरावनी हैं। सुबह जब लोग पीने के पानी के लिए नल खोलते हैं, तो उसमें साफ जल के बजाय कीचडय़ुक्त और दूषित पानी की धार निकलती है। हद तो यह है कि इस पानी की शुद्धता की जांच करने या वाटर फिल्टर प्लांट की देख-रेख करने वाला कोई जिम्मेदार

नपा में मौजूद नहीं है। अंचल की जनता आक्रोशित होकर पूछ रही है कि इस दूषित पानी को पीने से यदि शहर में कोई महामारी फैलती है या किसी मासूम की जान जाती है, तो उसका जिम्मेदार कौन होगा? क्या तब एसी कमरों में बैठने वाले नपा के अधिकारी और अपनी राजनीति चमकाने वाले नेता इसकी जिम्मेदारी लेंगे? जनता को नारकीय जीवन जीने पर मजबूर करना आखिर शहडोल नपा का कैसा सद्भाव है?

सडक़ों की हालत बयां कर रही पार्षदों का वार्ड प्रेम

शहर की सडक़ों के हालात किसी से छुपे नहीं हैं। मुख्य मार्गों से लेकर वार्डों की अंदरूनी गलियां तक गड्ढों में तब्दील हो चुकी हैं। स्थानीय पार्षदों को अपने ही वार्डों की बदहाली से कितना सरोकार है, यह इन उखड़ी हुई सडक़ों और बजबजाती नालियों को देखकर साफ समझा जा सकता है। चुनाव जीतने के बाद वार्डों से गायब रहने वाले इन पार्षदों को जनता की बुनियादी सुविधाओं से कोई लेना-देना नहीं रह गया है।

अफसरशाही मौन, जनप्रतिनिधि लाचार

इस पूरे गंभीर मामले पर जब नगर पालिका के प्रशासनिक अधिकारियों से जवाब मांगने की कोशिश की जाती है, तो साहब लोग कैमरे और पत्रकारों के तीखे सवालों से बचते नजर आते हैं। इस मामले में कोई भी जिम्मेदार अधिकारी कुछ भी कहने को तैयार नहीं है। प्रशासनिक अधिकारियों का यह मौन साफ दर्शाता है कि उनके संरक्षण में ही शहर को इस बदहाली की आग में झोंका गया है। शहडोल की प्रबुद्ध जनता अब यह साफ-साफ समझ चुकी है कि इस नगर पालिका परिषद के भरोसे रहना यानी खुद की सेहत और जिंदगी को खतरे में डालना है। यदि जल्द ही दूषित पानी की सप्लाई बंद कर स्वच्छ जल मुहैया नहीं कराया गया और सडक़ों की मरम्मत शुरू नहीं हुई, तो जनाक्रोश का फूटना तय है, जिसकी पूरी जिम्मेदारी नगर पालिका प्रशासन की होगी।

शहडोल संभाग को मिली संजीवनी: आदित्य सुपर स्पेशलिटी की 5वीं वर्षगांठ पर अत्याधुनिक कैथलैब का ऐतिहासिक शुभारंभ

शहडोल। विंध्य अंचल और विशेषकर शहडोल संभाग के स्वास्थ्य इतिहास में आज का दिन स्वर्णिम अक्षरों में दर्ज हो गया है। चिकित्सा सुविधाओं के अभाव के कारण सालों से रेफर कल्चर का दंश झेल रहे इस जनजातीय बाहुल्य इलाके को अब दिल की बीमारियों के इलाज के लिए बड़े महानगरों की ओर नहीं दौडऩा पड़ेगा। क्षेत्र के प्रतिष्ठित और भरोसेमंद चिकित्सा संस्थान आदित्य सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल ने अपनी सफलता के शानदार 5 वर्ष पूरे होने के ऐतिहासिक उपलक्ष्य में अंचल वासियों को हृदय रोग के संपूर्ण उपचार और त्वरित सेवा के लिए अत्यंत अत्याधुनिक कैथलैब की अनुपम सौगात दी है। गौरतलब है कि शहडोल संभाग में हृदय जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के आपातकाल (इमरजेंसी) के समय स्थानीय स्तर पर कोई पुख्ता व्यवस्था न होने से मरीजों और उनके परिजनों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ती थी। जबलपुर, नागपुर या बिलासपुर ले जाते समय रास्ते में ही गोल्डन ऑवर (हार्ट अटैक के बाद का शुरुआती कीमती समय) बीत जाने के कारण न जाने कितने लोग असमय ही काल के गाल में समा चुके हैं। आदित्य हॉस्पिटल का यह कदम इस अंचल के लिए एक जीवनदायिनी मील का पत्थर साबित होगा।

संभाग की सबसे बड़ी जरूरत हुई पूरीः सांसद

अस्पताल के पंचम स्थापना दिवस के इस गौरवशाली और भव्य समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शहडोल संभाग की लोकप्रिय सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह उपस्थित रहीं। उन्होंने फीता काटकर अत्याधुनिक कैथलैब का विधिवत शुभारंभ किया। इस अवसर पर जनसमुदाय को संबोधित करते हुए सांसद हिमाद्री सिंह ने कहा एक सर्वसुविधाजनक कैथलैब और कुशल हृदय रोग विशेषज्ञों की टीम शहडोल संभाग की बरसों पुरानी और सबसे बुनियादी जरूरत थी, जिसे आदित्य सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल ने एक अनमोल सौगात के रूप में धरातल पर उतारा है। निश्चित रूप से आपातकालीन स्थितियों से लेकर सामान्य हृदय रोगियों के लिए भी यह उच्च स्तरीय चिकित्सा सुविधा किसी बड़े वरदान से कम नहीं होगी। हम उम्मीद करते हैं कि यह अस्पताल भविष्य में भी हर परिस्थिति में अंचल की जनता की निस्वार्थ सेवा के लिए सदैव तत्पर रहेगा।

विशेषज्ञ चिकित्सकों के सेवा और समर्पण को सलामः जयसिंह

समारोह के विशिष्ट अतिथि जैतपुर विधानसभा क्षेत्र के वरिष्ठ विधायक जयसिंह मरावी ने अस्पताल के डॉक्टरों की टीम की खुले दिल से सराहना की। उन्होंने कहा कि देश के बड़े-बड़े महानगरों और नामचीन संस्थानों को छोडक़र जो विशेषज्ञ चिकित्सक आज इस सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में पूरे समर्पण और आत्मीयता के साथ अपनी सेवाएं दे रहे हैं, वे वंदनीय हैं। उन्होंने सभी चिकित्सकों को अपनी शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि वे इसी तन्मयता के साथ अंचल के गरीब और जरूरतमंद मरीजों का इलाज करते रहेंगे।

अंचल का विश्वास जीतना ही हमारा मूल मकसदः डॉ. आदित्य द्विवेदी

एक बेहद भावुक और संकल्प से भरे उद्बोधन में आदित्य सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के दूरदर्शी संचालक डॉ. आदित्य द्विवेदी ने अपनी भावी स्वास्थ्य योजनाओं का खाका खींचा। उन्होंने अपनी टीम का हौसला बढ़ाते हुए और भविष्य की तैयारियों को रेखांकित करते हुए कह स्वास्थ्य सेवाओं की दिशा में शहडोल संभाग को सर्वसुविधा युक्त बनाना और यहां के मरीजों को रेफर कल्चर की प्रताडऩा से शत-प्रतिशत मुक्ति दिलाना ही हमारी स्थापना का मूल ध्येय रहा है। आज 5 साल पूरे होने पर मैं सिर्फ इतना ही कहूंगा कि अभी तो यह अंगड़ाई है, आगे और लड़ाई है। चिकित्सा के क्षेत्र में महानगरों की तर्ज पर आदित्य परिवार आने वाले समय में इससे भी बेहतर सुविधाएं और विश्वस्तरीय उपचार की व्यवस्था यहीं शहडोल की माटी पर करने के लिए प्रतिबद्ध है। बस, अंचल की आवाम को हमारे ऊपर इसी तरह विश्वास बनाए रखने की आवश्यकता है, ताकि उनका यही भरोसा हमारी सबसे बड़ी ताकत बने और हम उनकी हर उम्मीद पर खरे उतर सकें। इस गरिमामयी कार्यक्रम में डॉ. आदित्य द्विवेदी के पिता ललन राम द्विवेदी की गरिमापूर्ण उपस्थिति ने पूरे माहौल को और अधिक आत्मीय, संस्कारवान और ऊर्जस्वित बना दिया।

वरिष्ठ चिकित्सकों, समाजसेवियों और डिजिटल हीरोज का हुआ सम्मान

आदित्य परिवार ने अपने इस उत्सव को केवल अपनी सफलता तक सीमित न रखते हुए, समाज के विभिन्न क्षेत्रों में सकारात्मक बदलाव लाने वाले नायकों के सम्मान से जोडक़र इसे और अधिक दिव्य बना दिया। मुख्य अतिथियों और अस्पताल प्रबंधन के कर-कमलों से अंचल की प्रख्यात विभूतियों का भव्य सम्मान किया गया। वरिष्ठ चिकित्सक सम्मान (चिकित्सा क्षेत्र के स्तंभ): अंचल में दशकों से चिकित्सा सेवा की मिसाल पेश करने वाले नगर के प्रतिष्ठित वरिष्ठ डॉक्टरों डॉ. ए.के. श्रीवास्तव, डॉ. अशोक जैन, डॉ. एन.के. सोनी, डॉ. उमेश नामदेव, डॉ. राजेश मिश्रा, डॉ. अलका तिवारी, डॉ. जी.डी. सिंह, डॉ. एस.पी. राय, डॉ. एस.एन. दुबे, डॉ. सुधा नामदेव एवं डॉ. एस.सी. त्रिपाठी का शाल-श्रीफल और स्मृति चिह्न भेंटकर भावभीना नागरिक अभिनंदन किया गया। समाजसेवी सम्मानः निःस्वार्थ भाव से समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले अग्रणियों— शिखर चंद, रूपाली सिंघई और गौरव मिश्रा को मंच के माध्यम से सम्मानित किया गया। डिजिटल इंफ्लुएंसर सम्मानः सोशल मीडिया के माध्यम से समाज में रचनात्मकता, जन-जागरूकता और सकारात्मक संदेश प्रसारित करने वाले युवा पीढ़ी के होनहारों अमित गर्ग, संजीत सोनी, प्रशांत मिश्रा, ऋषभ साहू और पुष्कर साहू को भी उनकी सराहनीय भूमिका के लिए मंच से विशेष रूप से नवाजा गया। इस पूरे भव्य और गरिमामयी आयोजन का अत्यंत कुशल, जीवंत और मंत्रमुग्ध कर देने वाला संचालन सुप्रसिद्ध एंकर सौम्या सिंघई, अनिल द्विवेदी एवं श्री जसपाल जी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। मुख्य समारोह के समापन के पश्चात, उपस्थित अतिथियों के लिए आदित्य सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल परिवार द्वारा एक शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं सुरुचिपूर्ण रात्रि भोज का आयोजन किया गया, जहां सभी ने मधुर स्मृतियों के साथ विदाई ली और अस्पताल के सुनहरे भविष्य की कामना की।

सीईओ जिला पंचायत ने की सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा पत्रों की समीक्षा

100 दिन से अधिक लंबित शिकायतों का प्राथमिकता से निराकरण के दिए निर्देश

शहडोल। जिला पंचायत सीईओ शिवम प्रजापति द्वारा सीएम हेल्पलाइन एवं समय-सीमा के पत्रों की विस्तारपूर्वक समीक्षा की गई। सीईओ जिला पंचायत शिवम प्रजापति ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सीएम हेल्पलाइन में 100 दिवस या उससे अधिक समय से लंबित शिकायतों का प्राथमिकता के साथ गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित किया जाए। जिन विभागों में 100 दिन से ऊपर की शिकायतें लंबित हैं। संबंधित विभाग के अधिकारी इन शिकायतों की मानीटरिंग स्वयं करें। शिकायतों के निराकरण से संबंधित जवाब एल-1 अधिकारियों के माध्यम से अनिवार्य रूप से दर्ज कराएं।

उन्होंने यह भी कहा कि कोई भी शिकायत अनअटेंडेड न रहे। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि जो विभाग सी या डी श्रेणी में हैं वे सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के निराकरण में प्रगति लाएं तथा ए श्रेणी में आने के लिए कार्य करें। लगातार सी एवं डी श्रेणी में आने वाले विभागों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के भी उन्होंने निर्देश दिए। जिन विभागों में शिकायतों की संख्या कम है, वहां शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में अपर कलेक्टर सरोधन सिंह, एसडीएम सोहागपुर श्रीमती अमृता गर्ग, श्रीमती मिनिषा पाण्डेय, एस डी एम श्रीमती अमृता गर्ग, डिप्टी कलेक्टर श्रीमती अन्तोनिआ एक्का सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

जिले में बीते 24 घंटे में 34.6 मिमी वर्षा दर्ज

उमरिया। अधीक्षक भू अभिलेख ने बताया कि बीते 24 घंटे में 34.6 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। बांधवगढ़ तहसील में 56.4 मिमी, मानपुर तहसील में 38.2 मिमी, पाली तहसील में 28.4 मिमी, नौरोजाबाद तहसील 26.4 मिमी, चंदिया तहसील में 32.2 मिमी, करकेली तहसील में 36.9 मिमी, बिलासपुर तहसील में 23.2 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जिले में 1 जून से लेकर 6 जुलाई तक बांधवगढ़ तहसील में 205.4 मिमी, मानपुर तहसील में 103.6 मिमी, पाली तहसील में 176.2 मिमी, नौरोजाबाद तहसील 169.4 मिमी, चंदिया तहसील में 119.9 मिमी, करकेली तहसील में 215.4 मिमी, बिलासपुर तहसील में 153.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। जबकि गत वर्ष इसी दिनांक तक जिले में कुल 366.8 मिमी वर्षा रिकार्ड की गई थी जिसमें बांधवगढ़ तहसील में 342.2 मिमी, मानपुर तहसील में 315.2 मिमी, पाली तहसील में 307.2 मिमी, नौरोजाबाद तहसील 348.8 मिमी, चंदिया तहसील में 487 मिमी, करकेली तहसील में 300.7 मिमी, बिलासपुर तहसील में 467.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी।
परिवार की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की अपील की है। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने कहा कि वर्षाकाल में जिले के कई नदी-नाले, रपटे और पुल-पुलिया अचानक जलमग्न हो जाते हैं। ऐसे समय में कई लोग जल्दबाजी या जोखिम उठाकर पानी पार करने का प्रयास करते हैं, जिससे हर वर्ष दुखद हादसे सामने आते हैं। उन्होंने कहा कि जीवन किसी भी मंजिल से अधिक महत्वपूर्ण है, इसलिए पानी उतरने तक इंतजार करें और किसी भी स्थिति में तेज बहाव वाले मार्ग से गुजरने का प्रयास न करें। उन्होंने जिले के सभी राजस्व, पुलिस, नगर निकाय, जनपद पंचायत और आपदा प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि संवेदनशील क्षेत्रों पर लगातार निगरानी रखी जाए। जहां जलभराव या बाढ़ की स्थिति बने, वहां तत्काल सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा लोगों को समय रहते सतर्क किया जाए, ताकि किसी भी प्रकार की जनहानि या अप्रिय घटना से बचा जा सके। कलेक्टर ने नागरिकों से यह भी आग्रह किया कि यात्रा पर निकलने से पहले मार्ग की जानकारी अवश्य प्राप्त करें। यदि किसी सड़क, रपटे या पुलिया पर पानी बह रहा हो तो वैकल्पिक मार्ग अपनाएं और प्रशासन की चेतावनियों का पूरी गंभीरता से पालन करें। उन्होंने कहा कि सावधानी और संयम ही वर्षाकाल में सबसे बड़ा बचाव है। कलेक्टर हर्षल पंचोली ने भरोसा दिलाया कि जिला प्रशासन मानसून की परिस्थितियों पर लगातार नजर बनाए हुए है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए सभी विभागों को अलर्ट मोड पर रखा गया है। उन्होंने आमजन से सहयोग की अपील करते हुए कहा कि प्रशासन के निर्देशों का पालन कर वे न केवल अपनी बल्कि दूसरों की जान भी सुरक्षित रख सकते हैं।

जनजातीय हितों से कोई समझौता नहीं-आशुतोष सिंह मार्को

अनूपपुर। जनजाति कार्य विभाग के अधीन संचालित विद्यालयों का स्कूल शिक्षा विभाग में प्रस्तावित विलय किए जाने के निर्णय का जिला आदिवासी कांग्रेस ने कड़ा विरोध दर्ज कराया है। संगठन ने इस संबंध में मध्यप्रदेश जनजातीय आयोग के अध्यक्ष रामलाल रौतेल को विस्तृत ज्ञापन सौंपकर राज्य शासन के प्रस्तावित निर्णय को जनजातीय समाज के हितों के विपरीत बताते हुए इसे तत्काल निरस्त कराने की मांग की है। ज्ञापन में कहा गया है कि जनजाति कार्य विभाग द्वारा संचालित विद्यालय केवल शिक्षा प्रदान करने वाले संस्थान नहीं हैं, बल्कि वे आदिवासी विद्यार्थियों की भाषा, संस्कृति, परंपराओं, सामाजिक पहचान और संवैधानिक अधिकारों के संरक्षण के महत्वपूर्ण केंद्र हैं। वर्षों से इन विद्यालयों के माध्यम से दूरस्थ वनांचल और जनजातीय क्षेत्रों के हजारों विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ छात्रावास, छात्रवृत्ति, भोजन, शैक्षणिक सामग्री एवं अन्य विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती रही हैं। जिला आदिवासी कांग्रेस का कहना है कि यदि इन विद्यालयों का स्कूल शिक्षा विभाग में विलय किया जाता है तो जनजातीय विद्यार्थियों को मिलने वाली विशेष सुविधाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। साथ ही जनजातीय क्षेत्रों की विशिष्ट आवश्यकताओं के अनुरूप संचालित शिक्षा व्यवस्था भी कमजोर होगी, जिससे आदिवासी समाज के बच्चों की शिक्षा प्रभावित होने की आशंका है। जिला अध्यक्ष आशुतोष सिंह मार्को ने कहा कि जनजातीय समाज के लिए संचालित संस्थानों की अलग पहचान और व्यवस्था बनाए रखना समय की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सरकार को ऐसा कोई भी निर्णय नहीं लेना चाहिए, जिससे आदिवासी विद्यार्थियों के शैक्षणिक, सामाजिक और सांस्कृतिक अधिकार प्रभावित हों।

शिक्षा के मंदिर में जाम छलकाने वाले पूर्व प्राचार्य पर मेहरबान विभाग

वायरल वीडियो पर कार्रवाई के नाम पर ढोंग

पुराना वीडियो बताकर दागी गुरुजी को बचाने में जुटा तंत्र

शहडोल।

जिसे समाज अक्षरों का ज्ञान देने वाला पवित्र मंदिर मानता है, जहां देश के नौनिहालों का भविष्य गढ़ा जाता है, उसी मर्यादा को सोहागपुर विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भुईबांध में तार-तार कर दिया गया। स्कूल के पूर्व प्राचार्य बृजेशधार द्विवेदी ने कथित रूप से इस पावन परिसर को अपनी निजी मधुशाला बना डाला। सोशल मीडिया पर एक ऐसा शर्मनाक वीडियो आंधी की तरह तैर रहा है, जिसमें साहब सरकारी दफ्तर की गरिमा और शिक्षक पद की मर्यादा को ताक पर रखकर, टेबल पर बैठे कुछ रसूखदारों के साथ बकायदा जाम से जाम टकराते और शराबखोरी करते नजर आ रहे हैं। इस घिनौने कृत्य के सामने आते ही शिक्षा विभाग के आला अधिकारियों के पसीने छूट रहे हैं, लेकिन कार्रवाई के नाम पर वही घिसा-पिटा सरकारी राग अलापा जा रहा है।

साल भर पुराना है वीडियो, तो क्या शराब गंगाजल हो गई?

विभागीय अफसरों का यह तर्क कि वीडियो एक साल पुराना है, अपने आप में हास्यास्पद और बेहद गैर-जिम्मेदाराना है। सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि क्या समय बीत जाने से किसी गंभीर अपराध का चरित्र बदल जाता है? अगर वीडियो साल भर पुराना भी है, तो भी यह कड़वी हकीकत तो शीशे की तरह साफ है कि पूर्व प्राचार्य बृजेशधार द्विवेदी ने पद के नशे में चूर होकर मर्यादाओं की धज्जियां उड़ाई थीं। एक तरफ सूबे की सरकार नशा मुक्ति का ढिंढोरा पीट रही है, वहीं दूसरी तरफ जिम्मेदार पदों पर बैठे ऐसे गुरुजी स्कूल के भीतर शराब परोस रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि द्विवेदी साहब का विवादों से पुराना नाता रहा है। जिला प्रशासन की चौखट पर इनके खिलाफ शिकायतों का पुलिंदा पहले से धूल खा रहा है, लेकिन रसूख के चलते फाइलें हमेशा दबा दी गईं।

अपनों को बचाने का अनूठा पैंतरा

इस पूरे घटनाक्रम का सबसे दिलचस्प मोड़ तब आया,

जब जिला शिक्षा संघ के अध्यक्ष लालजी तिवारी ने इस मामले में बयान दिया। अध्यक्ष जी ने पहले तो लोक-लुभावन बात कही कि अगर ऐसा कृत्य विद्यालय के अंदर हुआ है, तो सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, लेकिन अगले ही पल अपने खास साथी को बचाने के लिए उन्होंने एक ऐसा हास्यास्पद तर्क दे डाला जिसे सुनकर जनता लोट-पोट हो रही है। तिवारी जी ने पूरे वीडियो को ही कटघरे में खड़ा करते हुए इसे एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) से जनरेटेड यानी फर्जी बता दिया। नेता जी शायद भूल गए कि वह एक जिम्मेदार शिक्षक संघ के अध्यक्ष हैं। शहडोल की जनता गवाह है कि शिक्षकों के ट्रांसफर-पोस्टिंग या मानदेय की मांग को लेकर यही लालजी तिवारी ज्ञापन थामे कलेक्टर और कमिश्नर दफ्तर के बाहर कतार में सबसे आगे खड़े दिखाई देते हैं, लेकिन आज जब एक शिक्षक ने पूरे कौम को शर्मसार किया, तो उन्हें इसमें तकनीक की साजिश नजर आने लगी।

तो क्या 15 अगस्त को मंच पर सम्मानित करेगी सरकार?

जब मामला पूरी तरह स्पष्ट है, वीडियो साक्ष्य सामने आ चुका है, तो शिक्षा विभाग के कर्णधारों को नैतिकता के आधार पर कथित शिक्षक को तुरंत निलंबित करना चाहिए था, लेकिन जांच के नाम पर मामले को ठंडे बस्ते में डालने की पूरी तैयारी चल रही है। आश्चर्य की बात यह है कि शहडोल के इस बड़े मुद्दे पर न तो अब तक कोई सामाजिक संगठन सामने आया और न ही किसी राजनीतिक दल के लिए यह कोई मुद्दा है। सबने चुप्पी साध रखी है। कुल मिलाकर, शिक्षा के मंदिर में शराब पीना ऐसा लगता है आने वाले दिनों में गौरवपूर्ण समझा जाएगा। अगर स्कूल में शराब पीना गलत नहीं है और कार्रवाई नहीं होनी है, तो आने वाले 15 अगस्त को प्रशासन इस गौरवपूर्ण कार्य के लिए कथित शिक्षक को मंच पर बुलाकर सम्मानित ही कर दे, कम से कम इससे समाज में संदेश तो सीधा जाएगा कि अब गलत, गलत नहीं रह गया है।

प्रशासनिक तंत्र के चेहरे पर तमाचा

संभागीय उपायुक्त जे.पी. यादव ने मामले को भांपते हुए जांच के निर्देश तो जारी कर दिए हैं कि वीडियो की सत्यता और समय की जांच की जा रही है, लेकिन जनता अब इन खोखले आश्वासनों से ऊब चुकी है। जब एक साल पहले यह कृत्य हुआ और बड़ी मुश्किल से अब मामला सामने आया, उसके बावजूद त्वरित कार्रवाई न होना पूरे प्रशासनिक तंत्र को कटघरे में खड़ा कर रहा है। जांच का यह ढोंग केवल यह साबित करने के लिए काफी है कि शिक्षा विभाग अपने दागी शिक्षकों को बचाने में जुटा है। देखना यह है कि प्रशासन इस शराबबाज़ व्यवस्था पर हंटर चलाता है या फिर एआई के बहाने इस फाइल को भी ठंडे बस्ते के हवाले कर दिया जाता है।

साजिश थी तो पुलिस कप्तान के दरबार क्यों नहीं गए

अगर यह वीडियो वाकई झूठा है और द्विवेदी साहब को बदनाम करने के लिए एआई के जरिए साजिश रची गई है, तो अब तक दोनों में से कोई पुलिस अधीक्षक के पास क्यों नहीं पहुंचा? नेताजी लालजी तिवारी को तो तुरंत अपने कथित पीड़ित शिक्षक और पूरी कार्यकारिणी को साथ लेकर कप्तान के दरबार में हाजिरी लगानी चाहिए थी। उन्हें मांग करनी चाहिए थी कि इस वीडियो की निष्पक्ष साइबर जांच हो और जिसने भी शिक्षक की छवि धूमिल की है, उसे जेल की सलाखों के पीछे भेजा जाए, लेकिन अचरज की बात है कि न तो संघ के अध्यक्ष और न ही स्वयं आरोपी शिक्षक ने थाने की दहलीज लांघी है। यह चुप्पी खुद-ब-खुद पूरी कहानी बयां कर रही है।

ट्रक ने बाइक सवार सचिव को मारी टक्कर

मानपुर।

विधानसभा मुख्यालय स्थित देवभूमि विद्यालय के पास एक सिलेंडर लोड ट्रक के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए बाइक सवार को जोरदार टक्कर मार दी। इस भीषण सडक़ हादसे में बाइक सवार पतौर ग्राम पंचायत के सचिव का दाहिना पैर बुरी तरह कुचल गया और वे सडक़ पर ही तड़पने लगे। मिली जानकारी के अनुसार, पतौर पंचायत सचिव किसी शासकीय कार्य से मानपुर की ओर आ रहे थे, तभी सामने से काल बनकर आ रहे तेज रफ्तार अनियंत्रित ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। हादसे को अंजाम देकर चालक ट्रक सहित मौके से भाग निकला। हालांकि, मौके पर मौजूद सजग ग्रामीणों ने तत्परता दिखाते हुए एक तरफ घायल को संभाला, तो दूसरी तरफ फोन कर आगे के ग्रामीणों को अलर्ट किया। नतीजतन, कुछ ही दूरी पर घेराबंदी कर भाग रहे ट्रक को दबोच लिया गया। घटना की भनक लगते ही मानपुर थाना प्रभारी श्री गर्ग दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए 108 एम्बुलेंस के माध्यम से लहूलुहान सचिव को इलाज के लिए मानपुर अस्पताल भिजवाया। पुलिस ने आरोपी ट्रक को जब्त कर चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

समय सीमा की बैठक में कलेक्टर ने सीएम हेल्प लाइन के प्रकरणों की समीक्षा की

बैठक से अनुपस्थित रहने पर उप प्रबंधक जल जीवन मिशन को शो काज नोटिस जारी के दिए निर्देश

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समयसीमा बैठक आयोजित की गई। बैठक में सीएम हेल्पलाइन सहित विभिन्न विभागों के लंबित प्रकरणों की समीक्षा कर अधिकारियों को समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने मुख्यमंत्री निवास, आयुक्त शहडोल संभाग कार्यालय से प्राप्त आवेदनों, जनसुनवाई, न्यायालयीन प्रकरणों, मानवाधिकार संबंधी पत्रों तथा फैक्ट न्यूज मामलों की विभागवार समीक्षा की। उन्होंने विभागीय अधिकारियों से कहा कि इसी सप्ताह अधिकारी 100 दिन से अधिक की शिकायतों का निराकृत कर शून्य की स्थिति में लाएं साथ ही माह के प्रारंभ से ही सभी अधिकारी ए ग्रेड में आने का प्रयास करें । उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी से कहा कि स्कूलों मे बच्चों को प्रवेश से संबंधित आ रही शिकायतों का निराकरण जिला शिक्षा कार्यालय में हेल्प डेस्क बनाकर किया जाए ताकि बच्चे उन्हें अध्यापन के कार्य में किसी भी प्रकार की परेशानी का सामना नही करना पड़े।

कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने कहा कि ग्राम में स्थित शासकीय उच्च माध्यमिक शाला के समीप कॉलरी आ चुकी है जिससे ब्लास्टिंग के दौरान भवन में कम्पन होता है जिससे भवन क्षतिग्रस्त होने से बच्चों के जान को खतरा के दृष्टिगत बच्चों को अध्ययन हेतु घुलघुली से लगभग 1-2 कि.मी. दूर कक्षा 6 वीं से 8 तक के बच्चों को शासकीय प्राथमिक शाला नरवार-29 में तथा कक्षा 9 से 12 तक के बच्चों को घुलघुली से लगभग 6-7 कि.मी. दूर शा0 उ मा वि विद्यालय जरहा में शिफ्ट करने की कार्यवाही की जाएगी। उन्होने जिला शिक्षा अधिकारी से कहा कि बच्चों के आवागमन के लिए एसईसीएल के माध्यम से शीघ्र बसों की व्यवस्था कराई जाए, ताकि उन्हें अध्यापन के कार्य में किसी भी प्रकार की परेशानियों का सामना नही करना पडे।

उन्होंने मुख्य नगर पालिका अधिकारियों से कहा कि फिश पार्लर का कार्य 15 अगस्त तक पूरा करा लिया जाए। उन्होने किसानों को समय पर खाद बीज समय पर उपलब्ध करानें के निर्देश कृषि विभाग को दिए। बैठक से अनुपस्थित रहने पर उप प्रबंधक जल जीवन मिशन राहुल मिश्रा को शो काज नोटिस जारी करनें के निर्देश दिए।

बैठक में सीईओ जिला पंचायत अभय सिंह, अपर कलेक्टर प्रमोद कुमार सेन गुप्ता संयुक्त कलेक्टर रीता डेहरिया, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आलोक कुमार शर्मा , डिप्टी कलेक्टर कमलेश नीरज, प्रत्युष श्रीवास्तव सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

पवित्र नगरी अमरकंटक में दो दिनों से झमाझम बारिश का दौर जारी

अमरकंटक।

मध्य प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थ स्थल पवित्र नगरी अमरकंटक में विगत दो दिनों से झमाझम मूसलाधार वर्षा का सिलसिला लगातार जारी है। अषाढ़ माह के आगमन के साथ ही क्षेत्र में मौसम पूरी तरह सुहावना हो गया है और प्रकृति अपने वास्तविक स्वरूप में दिखाई दे रही है। 5 जुलाई, रविवार से तेज गर्जना, बादलों की गड़गड़ाहट और रुक-रुक कर हो रही मूसलाधार वर्षा का क्रम प्रारंभ हुआ, जो रातभर कभी तेज, कभी मध्यम और कभी हल्की बारिश के रूप में जारी रहा। 6 जुलाई, सोमवार को भी समाचार लिखे जाने तक लगातार वर्षा होती रही। आसमान में घने काले बादलों का डेरा बना रहा तथा बीच-बीच में घना कोहरा छाने से वातावरण और भी मनमोहक हो गया। लगातार हो रही वर्षा के कारण अमरकंटक आने वाले पर्यटकों एवं तीर्थयात्रियों की संख्या में अन्य दिनों की अपेक्षा कमी देखी गई। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में किसान खेती-किसानी के कार्यों, जुताई एवं बुवाई में जुट गए हैं, जिससे बाजारों और सार्वजनिक स्थलों पर भी सामान्य दिनों की तुलना में कम चहल-पहल रही। दो दिनों से लगातार हो रही वर्षा के चलते पवित्र नगरी अमरकंटक का मौसम अत्यंत ठंडा एवं खुशनुमा हो गया है। अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस तथा न्यूनतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं वायु गुणवत्ता सूचकांक 15 रहने से वातावरण पूरी तरह स्वच्छ एवं शुद्ध बना हुआ है। मौसम के इस मनोहारी स्वरूप ने अमरकंटक की प्राकृतिक सुंदरता में चार चांद लगा दिए हैं। चारों ओर हरियाली, बादलों की आवाजाही, रिमझिम वर्षा और घने कोहरे का अद्भुत दृश्य श्रद्धालुओं एवं प्रकृति प्रेमियों को विशेष रूप से आकर्षित कर रहा है।

राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर की 388वीं जयंती समारोह की तैयारियों को लेकर बैठक संपन्न

अनूपपुर। राष्ट्रवीर दुर्गादास राठौर की 388वीं जयंती समारोह के सफल एवं भव्य आयोजन को लेकर, सामतपुर में राष्ट्रवीर दुर्गादास युवा संघ सामतपुर की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक में समाज के वरिष्ठजनों, युवाओं एवं कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए समारोह की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि 13 अगस्त को प्रातः 9 बजे सामुदायिक भवन, सामतपुर में ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके पश्चात सायं 4 बजे से सामतपुर तालाब प्रांगण, अनूपपुर में मुख्य समारोह आयोजित होगा। समारोह के अंतर्गत रक्तदान शिविर, वृक्षारोपण, अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान, वरिष्ठजनों का सम्मान, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, प्रतिभावान छात्र-छात्राओं का सम्मान तथा "एक शाम शहीदों के नाम" कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

भारतीय ब्राह्मण उत्थान महासभा में नई नियुक्तियाँ

उदित नारायण द्विवेदी बने जिलाध्यक्ष, अनिल तिवारी को बनाया गया युवा प्रकोष्ठ का प्रदेश उपाध्यक्ष

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। भारतीय ब्राह्मण उत्थान महासभा, मध्यप्रदेश द्वारा संगठन को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण नियुक्तियाँ की गई हैं। संगठन के ऊर्जावान, सक्रिय एवं समाजसेवी विप्र बंधु उदित नारायण द्विवेदी को भारतीय ब्राह्मण उत्थान महासभा, जिला अनूपपुर का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। वहीं संगठन के कर्मठ, संघर्षशील एवं समर्पित समाजसेवी अनिल कुमार तिवारी को उनके उत्कृष्ट संगठनात्मक कार्यों, निष्ठा एवं समाज सेवा में उल्लेखनीय योगदान को देखते हुए भारतीय ब्राह्मण उत्थान महासभा के युवा प्रकोष्ठ का प्रदेश उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। इन नियुक्तियों से अनूपपुर जिले सहित पूरे प्रदेश के विप्र समाज एवं संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में हर्ष का वातावरण है। समाज के वरिष्ठजनों एवं शुभचिंतकों ने दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि उनके नेतृत्व में संगठन नई ऊर्जा, मजबूत संगठनात्मक क्षमता एवं सेवा-भाव के साथ समाजहित के कार्यों को नई दिशा

देगा। संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि उदित नारायण द्विवेदी के नेतृत्व में अनूपपुर जिले में संगठन और अधिक सक्रिय, संगठित एवं प्रभावशाली बनेगा तथा समाज के हितों की रक्षा एवं उत्थान के लिए नए आयाम स्थापित होंगे। वहीं अनिल कुमार तिवारी, जिन्होंने पूर्व जिला अध्यक्ष के रूप में संगठन को सशक्त बनाने में उल्लेखनीय भूमिका निभाई, उनके उत्कृष्ट कार्यकाल एवं संगठन के प्रति समर्पण को देखते हुए उन्हें पदोन्नत कर प्रदेश उपाध्यक्ष (युवा प्रकोष्ठ) का महत्वपूर्ण दायित्व सौंपा गया है। उनकी नियुक्ति संगठन द्वारा उनके कार्यों के प्रति सम्मान और विश्वास का प्रतीक मानी जा रही है। इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों एवं समाजबंधुओं ने भगवान श्रीराम, भगवान परशुराम एवं माँ गायत्री से प्रार्थना की कि दोनों नवनियुक्त पदाधिकारी सदैव स्वस्थ, यशस्वी एवं ऊर्जावान रहें तथा भारतीय ब्राह्मण उत्थान महासभा को नई ऊँचाइयों तक पहुँचाने में अपना अमूल्य योगदान देते रहें। सभी ने दोनों को नवीन दायित्वों के लिए हार्दिक बधाई, शुभकामनाएँ एवं सफल, गौरवपूर्ण कार्यकाल की मंगलकामनाएँ प्रेषित कीं।

खबर संक्षेप

रपटे-पुलिया पार करने की भूल न करें: कलेक्टर हर्षल पंचोली

अनूपपुर। जिले में लगातार सक्रिय मानसून और बढ़ते जलस्तर को देखते हुए कलेक्टर हर्षल पंचोली ने जिलेवासियों के लिए महत्वपूर्ण सुरक्षा सलाह जारी की है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि रपटे, पुल-पुलिया या सड़क पर यदि बाढ़ का पानी बह रहा हो तो उसे पार करने का प्रयास बिल्कुल न करें। थोड़ी सी लापरवाही भी बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है।

कानून के शिकंजे में चीतल को केला खिलाने वाला रीलबाज

उमरिया। विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से वन्यजीवों की सुरक्षा और नियमों को ताक पर रखने वाले तथाकथित पर्यटकों के लिए एक बड़ी और सबक सिखाने वाली खबर सामने आई है। मगधी गेट के सामने वन्यजीव (चीतल) को केला खिलाकर सोशल मीडिया पर वाहवाही लूटने का स्टंट करने वाले एक रीलबाज को बांधवगढ़ पार्क प्रबंधन ने सलाखों के पीछे पहुंचा दिया है। वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में आए प्रबंधन ने आरोपी को दबोचकर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत सीधे न्यायालय के कटघरे में खड़ा कर दिया है।

मामला तब खुला जब यह महाशय मगधी गेट के पास एक चीतल को केला परोस रहे थे। उसी समय पचपेढ़ी पर्यटन जोन से सफारी कर लौट रहे एक जागरूक पर्यटक ने इस गैर-कानूनी हरकत को अपने कैमरे में कैद कर लिया। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होते ही बांधवगढ़ पार्क प्रबंधन की नींद टूटी। अधिकारियों ने तत्काल तकनीकी जांच बिठाई, आरोपी का चेहरा और गाड़ी ट्रेस की और उसे दबोच लिया।

पार्क प्रबंधन ने इस कार्रवाई के जरिए साफ संदेश दिया है कि राष्ट्रीय उद्यान कोई चिड़ियाघर नहीं है, जहां आप जानवरों को अपनी मर्जी से कुछ भी परोस दें। बाहरी और अप्राकृतिक खाना खिलाने से वन्यजीवों का स्वास्थ्य तो बिगड़ता ही है, साथ ही वे आत्मनिर्भर शिकार या भोजन तलाशने की अपनी प्राकृतिक आदत खो देते हैं। वे इंसानों पर निर्भर होकर भिखारी बनने लगते हैं, जो उनके अस्तित्व के लिए सबसे बड़ा खतरा है।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व ने इस सख्त एक्शन के बाद सभी सैलानियों और स्थानीय लोगों को अंतिम चेतावनी जारी की है। प्रबंधन ने स्पष्ट कर दिया है कि सफारी के दौरान वन्यजीवों से सुरक्षित दूरी बनाए रखें। यदि भविष्य में कोई भी रील बनाने, फोटो खिंचाने या शौक के चक्कर में वन्यजीवों को खाना खिलाते या उनके प्राकृतिक आवास में खलल डालते पाया गया, तो उसका अगला ठिकाना सीधे जेल की कोठरी होगी।

बुढ़ार में आकाशीय बिजली का कहरः थाने के कंप्यूटर और सर्वर जलकर खाक, 3 दिनों से ऑनलाइन कामकाज ठप

बुढ़ार। नगर में पिछले शनिवार से लगातार हो रही मूसलाधार बारिश और आसमानी बिजली का कहर आम जनजीवन के साथ-साथ शासकीय कार्यालयों पर भी भारी पड़ रहा है। पिछले दिनों बुढ़ार थाने के समीप स्थित यूकेलिप्टस के पेड़ पर अचानक गाज (आकाशीय बिजली) गिर गई। यह हादसा इतना भयानक था कि थाना परिसर में ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए, लेकिन थाने के डिजिटल सिस्टम को भारी नुकसान पहुँचा है।

लाखों के उपकरण खाक, फरियादी परेशान

बिजली गिरने के जोरदार झटके से बुढ़ार थाने का पूरा डिजिटल नेटवर्क ध्वस्त हो गया है। हादसे के वक्त पुलिसकर्मी 5 कंप्यूटरों पर काम कर रहे थे। गाज गिरते ही हाई वोल्टेज के कारण थाने के: सीसीटीएनएस (CCTNS) सिस्टम,सर्वर सिस्टम और डेस्कटॉप मॉनीटर,सीपीयू (CPU) एवं अन्य तकनीकी उपकरण पुरी तरह जलकर खाक हो गए।

संवाद और रिपोर्टिंग पूरी तरह ठपः

पिछले तीन दिनों से थाने का मुख्य सर्वर बंद पड़ा है। इसके चलते थाने का बाहरी संवाद और

दैनिक रिपोर्टिंग का काम पूरी तरह से प्रभावित हो गया है। सबसे ज्यादा परेशानी दूर-दूर से आने वाले फरियादियों को हो रही है, क्योंकि सर्वर न होने से उनकी शिकायतें ऑनलाइन दर्ज नहीं हो पा रही हैं।

वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई सूचना

थाना प्रभारी विनय सिंह गहरवार के द्वारा इस बड़े तकनीकी नुकसान और व्यवस्था ठप होने की पूरी जानकारी जिला मुख्यालय के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को दे दी गई है। जल्द से जल्द नए उपकरण लगाने और सर्वर को बहाल करने का प्रयास किया जा रहा है ताकि आम जनता को हो रही परेशानी को दूर किया जा सके और पुलिसिंग व्यवस्था दोबारा पटरी पर लौट सके।

चूल्हे से कॉलेज तकः कुमूर्दु की बहू ने एमपीपीएससी में रचा इतिहास

पाली की आदिवासी बेटी प्रियंका सिंह मसराम सहायक प्राध्यापक बनीं, पेसा क्षेत्र को मिली नई पहचान

उमरिया। आदिवासी महिला की जगह सिर्फ रसोई में है, इस पुरानी सोच को ग्राम कुमूर्दु की बहू श्रीमती प्रियंका सिंह मसराम ने अपने हौसले से तोड़ दिया है। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग एम पी पी एस सी द्वारा आयोजित सहायक प्राध्यापक हिन्दी परीक्षा में चयनित होकर उन्होंने न सिर्फ अपने परिवार, बल्कि पूरे उमरिया जिले का नाम रोशन किया है।

पेसा क्षेत्र से शिक्षा की उड़ान

पाली विकासखंड प्रदेश के उन आदिवासी बहुल क्षेत्रों में आता है जहां संविधान की पांचवीं अनुसूची लागू है और पेसा अधिनियम 1996 प्रभावी है। यहां शिक्षा की पहुंच आज भी बड़ी चुनौती है। ऐसे में प्रियंका की यह सफलता सिर्फ एक नौकरी नहीं, बल्कि पूरे अंचल के लिए सामाजिक बदलाव का प्रतीक बन गई है।

संघर्ष से सफलता तक

प्रियंका की कहानी हर गांव की बेटी के लिए प्रेरणा है। उन्होंने साबित किया कि अगर अवसर, शिक्षा और अटूट संकल्प साथ हों, तो आदिवासी अंचल की बहुएं-बेटियां भी देश की सबसे कठिन प्रतियोगी परीक्षाओं में बाजी मार सकती हैं। उनकी इस उपलब्धि पर पूरे ग्राम कुमूर्दु और पाली विकासखंड में खुशी की लहर है।

दो अफसर, एक प्रेरणा

उल्लेखनीय है कि प्रियंका के पति श्री धर्मपाल सिंह मसराम वर्तमान में जनपद पंचायत मुलताई, जिला बैतूल में मुख्य कार्यपालन अधिकारी CEO के पद पर कार्यरत हैं। पति-पत्नी दोनों का शासन-प्रशासन में होना आदिवासी समाज के लिए गर्व का विषय है।समाजजनों और शुभचिंतकों ने इस सफलता को आदिवासी महिलाओं के सशक्तिकरण की नई मिसाल बताया है।

नया संदेशः कुमूर्दु की इस बहू ने दिखा दिया कि अब आदिवासी महिलाएं सिर्फ घर की चारदीवारी तक सीमित नहीं हैं। वे अब व्याख्यान मंच से प्रदेश की नई पीढ़ी का भविष्य गढ़ेंगी।

दिनदहाड़े महिला से चेन स्नेचिंग, कानून-व्यवस्था तार-तार!

शहडोल। जिला मुख्यालय में कानून-व्यवस्था पूरी तरह वेंटिलेटर पर आ चुकी है। बदमाशों के हौसले इतने बुलंद हैं कि अब उन्हें न तो पुलिस का खौफ है और न ही सरेराह उमड़ती भीड़ का। कोतवाली थाना क्षेत्र के व्यस्ततम बाणगंगा बाइपास इलाके में दिनदहाड़े हुई एक सनसनीखेज वारदात ने पूरे शहर को हिलाकर रख दिया है। काले रंग की अपाचे मोटरसाइकिल पर सवार दो नकाबपोश शिकारी एक महिला के गले से सोने की चेन झपटकर रफूचक्कर हो गए। मिली जानकारी के अनुसार ब्यौहारी वार्ड-13 निवासी सुकृति गुप्ता उम्र 40 पति अशोक गुप्ता, बस से शहडोल आई थीं। वह बाणगंगा बाइपास तिराहे पर उतरकर अपने रिश्तेदार के साथ पैदल अस्पताल की ओर जा रही थीं। इसी दौरान बाणगंगा बाइपास से मदन एजेंसी के बीच घात लगाए बैठे अपाचे सवार दो लोगों ने पीछे से झपट्टा मारा। महिला ने हिम्मत दिखाते हुए अपनी चेन को कसकर पकड़ लिया, जिससे आधी चेन महिला के हाथ में रह गई और आधी लेकर भाग गये।

हैरानी की बात यह है कि जिस वक्त इस दुस्साहसिक वारदात को अंजाम दिया गया, सड़क पर गाड़ियों का हुजूम था और लोग मौजूद थे। इसके बावजूद अपराधियों ने बेखौफ होकर बीच सड़क पर महिला को निशाना बनाया। वारदात के बाद पीड़िता सड़क पर ही फूट-फूटकर रोने लगी। सूचना के बाद डायल-112 और कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस अब घटना स्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगालकर लकीर पीट रही है। यह वारदात केवल एक चेन की लूट नहीं, बल्कि शहडोल पुलिस की गश्त और सुरक्षा दावों की सरेआम धज्जियां उडऩा है। जब दिन के उजाले में महिलाएं सुरक्षित नहीं हैं, तो आम जनता खुद को सुरक्षित कैसे माने? बहरहाल, कोतवाली पुलिस ने अज्ञात लुटेरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और जल्द गिरफ्तारी का दावा कर रही है।

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती पर एकलव्य विद्यालय पाली में राष्ट्रवाद एवं युवा पंजीकरण अभियान का भव्य आयोजन

बिरसिंहपुर पाली। महान राष्ट्रवादी विचारक, शिक्षाविद् एवं अखंड भारत के स्वप्नदृष्टा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जन्म-जयंती के अवसर पर सोमवार को पाली ब्लॉक स्थित एकलव्य विद्यालय में एक गरिमामयी कार्यक्रम आयोजित किया गया। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत माय युवा भारत माय भारत के तत्वावधान में हुए इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में राष्ट्रभक्ति, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता का विकास करना था।

न्यायाधीश तारा मार्को ने दिया मार्गदर्शन, माय भारत से जुड़ने का आह्वान

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में व्यवहार न्यायालय की न्यायाधीश सुश्री तारा मार्को एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में माय युवा भारत के जिला अधिकारी श्री उमा शंकर त्रिवेदी उपस्थित रहे। अतिथियों ने माँ सरस्वती एवं डॉ. मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मुख्य अतिथि सुश्री तारा मार्को ने अपने उद्बोधन में कहा, डॉ. मुखर्जी का जीवन अनुशासन, शिक्षा और राष्ट्र-समर्पण का आदर्श उदाहरण है। युवाओं को अपने संवैधानिक अधिकारों के साथ कर्तव्यों को भी समझना होगा। तभी हम समाज में न्याय और समानता स्थापित कर सकेंगे। आप सभी एक जिम्मेदार नागरिक बनें।जिला अधिकारी श्री उमा शंकर त्रिवेदी ने 'माय युवा भारत' मंच की जानकारी देते हुए 'सघन पंजीकरण अभियान' पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा, ₹सभी युवा माय भारत पोर्टल पर अपना पंजीकरण कराएं। यह डिजिटल मंच आपकी प्रतिभा को मंच देगा और आपको राष्ट्र निर्माण के अभियानों से सीधे जोड़ेगा।

छात्रों की प्रस्तुतियों ने बांधा समां

एकलव्य विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने डॉ. मुखर्जी के जीवन-संघर्ष एवं राष्ट्र निर्माण में योगदान पर आधारित नाटक, भाषण एवं कविता प्रस्तुत कर सभी को भाव-विभोर कर दिया। पाली ब्लॉक के स्थानीय युवाओं ने भी कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय प्रबंधन ने अतिथियों का स्मृति-चिह्न भेंटकर सम्मान किया। सभी उपस्थित जनों ने डॉ. मुखर्जी के आदर्शों पर चलने तथा माय ऐप से जुड़कर आत्मनिर्भर भारत निर्माण में योगदान का संकल्प लिया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बुढ़ार में तीन दिवसीय प्रवेश उत्सव का हुआ आयोजन

बुढ़ार। मध्य प्रदेश शासन, उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार सत्र 2026-27 में नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं के स्वागत हेतु 1 जुलाई से 3 जुलाई 2026 तक तीन दिवसीय प्रवेश उत्सव का आयोजन प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस शासकीय नेहरू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बुढ़ार में किया गया। कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ गंगा मिश्रा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम के प्रथम दिवस नवप्रवेशित छात्र-छात्राओं का तिलक लगाकर आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. गंगा मिश्रा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहाकि - अनुशासन, नैतिकता, संस्कार एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के माध्यम से विद्यार्थी न केवल अपना और अपने परिवार का, बल्कि महाविद्यालय का भी नाम रोशन करते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से नियमित अध्ययन एवं महाविद्यालयीन गतिविधियों में सक्रिय सहभागिता का आह्वान किया।

इसके पश्चात महाविद्यालय के प्राध्यापकों एवं शैक्षणिक तथा गैर-शैक्षणिक कर्मचारियों ने विद्यार्थियों को अपने-अपने विषयों, विभागों तथा महाविद्यालय की अधोसंरचना एवं उपलब्ध सुविधाओं की विस्तृत जानकारी प्रदान की। कार्यक्रम के द्वितीय दिवस नवप्रवेशित विद्यार्थियों को महाविद्यालय की लाइब्रेरी, प्रयोगशालाओं, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, छात्रावास एवं कार्यालय का भ्रमण कराया, साथ ही छात्रवृत्ति, आवास योजना, प्रतिभा किरण योजना, गांव की बेटी योजना सहित विभिन्न शासकीय योजनाओं की जानकारी भी दी गई, एवं तृतीय दिवस महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ अनिल उपाध्याय ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के विषय पर मार्गदर्शन दिया। उन्होंने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने, नशीले पदार्थों से दूर रहने तथा योग एवं ध्यान को दैनिक जीवन में अपनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए योग एवं ध्यान का सत्र भी आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ अनिल उपाध्याय, प्रो. किरण सिंह, प्रो. एन. मानिकपुरी, प्रो. विनय सोनवानी, सहायक प्राध्यापक आर.सी. त्रिपाठी, डॉ. मनोज कुजूर, डॉ. एस.एन. प्रजापति, डॉ. अनूप सेन, डॉ. राधेश्याम नापित, डॉ. दिनेश वर्मा, डॉ. ममता द्विवेदी, डॉ. जयशंकर सिंह, श्री शशि मोहन सेन, दीपक पटेल, कमलेश प्रजापति, श्रीमती रानू सोनी एवं डॉ. निपेंद्र सिंह करचूली सहित महाविद्यालय के समस्त शैक्षणिक, एवं महाविद्यालयीन स्टाफ की उपस्थिति रही।

उमरिया जिले के सहकारिता विभाग में नियमों की उड़ रहीं धज्जियां

गृह जिले में वर्षों से पदस्थ प्रभारी अभय सिंह पर एआरसीएस पर उठे सवाल, प्रशासनिक चुप्पी से बढ़ी चर्चाएं

उमरिया। मध्यप्रदेश शासन की सुशासन और पारदर्शिता की नीति के बीच जिले के सहकारिता विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर कई गंभीर सवाल उठ रहे हैं। विभाग में प्रभारी असिस्टेंट रजिस्ट्रार, कोऑपरेटिव सोसायटी अभय सिंह की लंबे समय से पदस्थापना को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चा तेज है। आरोप है कि वे वर्षों से अपने गृह जिले उमरिया में पदस्थ हैं, जबकि शासन की स्थानांतरण नीति में निष्पक्ष प्रशासनिक व्यवस्था बनाए रखने पर विशेष जोर दिया गया है। जानकारों का कहना है कि यदि कोई अधिकारी लंबे समय तक एक ही जिले में पदस्थ रहता है, विशेषकर अपने गृह जिले में, तो निष्पक्षता और पारदर्शिता को लेकर सवाल उठना स्वाभाविक है। इसी कारण सामान्य प्रशासन विभाग की स्थानांतरण नीति में ऐसे मामलों को नियंत्रित करने का प्रावधान किया गया है।

लंबे समय से एक ही जिले में पदस्थापना पर सवाल स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रभारी एआरसीएस अभय सिंह कई वर्षों से जिले में पदस्थ हैं। यदि यह तथ्य अभिलेखों से पुष्ट होता है, तो यह जांच का विषय बन सकता है कि उनकी पदस्थापना शासन की प्रचलित नीति के अनुरूप है या नहीं। इस संबंध में विभागीय स्तर पर अब तक कोई स्पष्ट सार्वजनिक जानकारी सामने नहीं आई है।

प्रशासनिक स्तर पर कार्रवाई क्यों नहीं

मामले को लेकर यह भी सवाल उठ रहे हैं कि यदि पदस्थापना नियमों के अनुरूप नहीं है, तो जिला प्रशासन अथवा संबंधित विभाग द्वारा अब तक आवश्यक कार्रवाई क्यों नहीं की गई। प्रशासनिक स्तर पर स्पष्ट स्थिति सामने न आने से चर्चाओं का दौर लगातार जारी है। सहकारिता विभाग किसानों और सहकारी समितियों से सीधे जुड़ा महत्वपूर्ण विभाग है। ऐसे में यदि विभाग में पदस्थ अधिकारियों की नियुक्ति या पदस्थापना को लेकर सवाल उठते हैं, तो उसका प्रभाव विभाग की कार्यप्रणाली और जनता के विश्वास पर भी पड़ सकता है। स्थानीय लोगों का मानना है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर स्थिति स्पष्ट की जानी चाहिए।

जांच और पारदर्शिता की मांग

जिले के विभिन्न सामाजिक संगठनों एवं जागरूक नागरिकों द्वारा शासन से मांग की जा रही है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर यह स्पष्ट किया जाए कि संबंधित अधिकारी की पदस्थापना शासन की नीति के अनुरूप है या नहीं। यदि किसी प्रकार की अनियमितता पाई जाती है, तो नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। अब निगाहें शासन और वरिष्ठ अधिकारियों पर टिकी हैं। यदि मामले में उठ रहे सवाल तथ्यात्मक रूप से सही पाए जाते हैं, तो संबंधित प्रकरण की जांच कर आवश्यक प्रशासनिक निर्णय लिया जाना शासन की पारदर्शी व्यवस्था की कसौटी माना जाएगा।

यूनिवर्सिटी की लेटलतीफी: अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने खोला मोर्चा!

शहडोल। पंडित शंभूनाथ शुक्ला विश्वविद्यालय एक बार फिर अपनी अकर्मण्यता और लचर व्यवस्था के कारण विवादों के घेरे में है। विश्वविद्यालय प्रशासन की भारी लापरवाही का खमियाजा अब सीधे तौर पर हजारों सीधे-साधे छात्रों को अपने भविष्य की बर्बादी के रूप में भुगतना पड़ रहा है। इस गंभीर संकट को देखते हुए अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। संगठन के जिला संयोजक अमन त्रिपाठी के नेतृत्व में कुलसचिव के नाम एक तीखा ज्ञापन सौंपकर विश्वविद्यालय के सुस्त रवैए पर जोरदार हमला बोला गया है।

4 महीने की प्रशासनिक नींद और छात्रों का पूरा साल बर्बाद!

मामला यूजी द्वितीय वर्ष की परीक्षा और प्रथम वर्ष की पूरक (सप्लीमेंट्री) परीक्षा से जुड़ा है। विश्वविद्यालय को नियमानुसार प्रथम वर्ष की पूरक परीक्षा आज से ठीक 4 महीने पहले ही संपन्न करा लेनी चाहिए थी, ताकि छात्र समय पर अपना परिणाम देखकर आगे की रणनीति बना सकें। लेकिन, जिम्मेदार अधिकारी महीनों तक कुंभकर्णी नींद सोते रहे। अब जब पानी सिर से ऊपर जा चुका है, तो विश्वविद्यालय प्रशासन अपनी नाकामी छुपाने के लिए नियमों की घुट्टी पिला रहा है। छात्रों को फरमान सुनाया जा रहा है कि जब तक वे प्रथम वर्ष उत्तीर्ण नहीं कर लेते, तब तक उन्हें द्वितीय वर्ष की परीक्षा में बैठने नहीं दिया जाएगा और उन्हें अगले साल परीक्षा देनी होगी।

फीस डूबी और भविष्य अंधकार में, कौन लेगा जिम्मेदारी?

विश्वविद्यालय के इस तानाशाही और बेतुके फैसले से छात्रों का पूरा एक साल सीधे-सीधे बर्बाद होने की कगार पर है। सवाल यह उठता है कि विश्वविद्यालय की इस अक्षमता के कारण छात्रों की जो ट्यूशन फीस और परीक्षा फीस डूब रही है, उसकी भरपाई कौन करेगा? क्या कुलपति और कुलसचिव महोदय अपनी जेब से इन गरीब और मध्यमवर्गीय माता-पिता की गाढ़ी कमाई वापस करेंगे? एबीवीपी ने दोटूक शब्दों में मांग की है कि या तो छात्रों को प्रथम वर्ष से प्रमोट करते हुए उनके द्वितीय वर्ष के परीक्षा फॉर्म तुरंत स्वीकार किए जाएं या फिर एक बीच का रास्ता निकाला जाए। यदि कोई छात्र आगे चलकर प्रथम वर्ष उत्तीर्ण नहीं कर पाता है, तो उसे अंतिम वर्ष में प्रवेश के पात्र न माना जाए। इससे छात्रों का साल और फीस दोनों सुरक्षित रहेंगे।

तारीख बढ़ाने और न्याय की मांग

छात्र संगठन ने अल्टीमेटम दिया है कि छात्रों के भविष्य और उनके परिजनों की आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए द्वितीय वर्ष के परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया तत्काल बिना किसी रुकावट के प्रारंभ की जाए और फॉर्म भरने की अंतिम तिथि में भी सम्मानजनक वृद्धि की जाए।

लाखों शिक्षकों के भविष्य पर संकट की तलवार

मध्य प्रदेश शिक्षक संघ ने केंद्र सरकार के खिलाफ खोला मोर्चा

प्रधानमंत्री से विधायी संरक्षण की मांग!

शहडोल। देश के लाखों शिक्षकों के अधिकारों, वरिष्ठता और आजीविका पर एक बार फिर गंभीर संकट के बादल मंडराने लगे हैं। राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद द्वारा वर्ष 2010 में जारी की गई शिक्षक पात्रता परीक्षा संबंधी अधिसूचना और उसके बाद सर्वोच्च न्यायालय द्वारा हाल ही में दिए गए एक निर्णय के बाद देश भर के शिक्षकों में भारी चिंता, मानसिक पीड़ा और असुरक्षा की भावना फैल गई है। इस गंभीर विषय को लेकर मध्य प्रदेश शिक्षक संघ ने कड़ा रुख अपनाते हुए सीधे देश के मुखिया और संसद के हस्तक्षेप की मांग कर दी है। संगठन के पदाधिकारियों ने शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद के माध्यम से प्रधानमंत्री और शिक्षा मंत्री को संबोधित एक अत्यंत तीखा और न्यायसंगत मांग पत्र सौंपा है।

क्या दशकों की सेवा का कोई मूल्य नहीं?

इस पूरे विवाद की जड़ 23 अगस्त 2010 की वह अधिसूचना है, जिसके तहत शिक्षक बनने के लिए पात्रता परीक्षा को अनिवार्य अर्हता घोषित किया गया था। इस नियम के आने से पूर्व देश के विभिन्न राज्यों में लाखों शिक्षक तत्कालीन वैध नियमों, योग्यताओं और पूरी तरह से पारदर्शी चयन प्रक्रियाओं के माध्यम से शासकीय सेवा में नियुक्त हो चुके थे। इन गुरुजनों ने अपने जीवन के बहुमूल्य वर्ष राष्ट्र निर्माण, नौनिहालों को

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने और सामाजिक चेतना जागृत करने में लगा दिए। अब संकट यह है कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा विचार याचिकाओं को खारिज करते हुए पुराने निर्णय को यथावत रखा गया है, जिससे वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त हुए इन अनुभवी शिक्षकों के सेवाधिकारों और भविष्य पर प्रतिकूल प्रभाव पडने की आशंका बढ़ गई है।

प्रशासनिक और विधिक व्यवस्था के सिद्धांतों की अनदेखी

शिक्षक संघ का स्पष्ट तर्क है कि भारतीय विधिक और प्रशासनिक व्यवस्था का यह स्थापित सिद्धांत है कि कोई भी नया नियम या अधिसूचना उसके लागू होने की तिथि से प्रभावी होती है, न कि पूर्वव्यापी प्रभाव से। पहले से ही कार्यरत और अर्जित सेवाधिकारों पर बाद में तय किए गए पात्रता मानदंडों को थोपना प्राकृतिक न्याय, समानता और विधिक निश्चितता के सिद्धांतों का खुला उल्लंघन है। यदि इन शिक्षकों के भविष्य को अधर में लटकाया गया, तो इससे पूरी शिक्षा व्यवस्था की स्थिरता चरमरा जाएगी और शिक्षकों का मनोबल पूरी तरह टूट जाएगा।

संसद से हस्तक्षेप और ठोस कानून बनाने की मांग

शिक्षक संघ ने दोटूक शब्दों में कहा है कि न्यायपालिका केवल कानूनों की व्याख्या करती है, परंतु जनहित में आवश्यक नीतिगत और विधायी समाधान उपलब्ध कराना देश की संप्रभु संसद और निर्वाचित सरकार के क्षेत्राधिकार में आता है। संगठन के जिला अध्यक्ष और जिला सचिव ने संयुक्त रूप से पांच प्रमुख मांगें सामने रखी है कि वर्ष 2010 से पूर्व नियुक्त सभी शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा की अनिवार्यता से पूर्णतः मुक्त कर स्थायी संरक्षण दिया जाए। ऐसे शिक्षकों की सेवा, वरिष्ठता, पदोन्नति और अन्य सभी अर्जित लाभों की पूर्ण रक्षा की जाए। संसद में आवश्यक विधायी संशोधन या विशेष प्रावधान लाकर इस वर्ग को स्थायी राहत प्रदान की जाए। केंद्र सरकार और सभी राज्य सरकारें इस विषय पर व्याप्त असमंजस और डर के माहौल को समाप्त करने के लिए तत्काल स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी करें। शिक्षक संघ का कहना है कि यदि इस दिशा में शीघ्र ही ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो राष्ट्र निर्माताओं का यह आक्रोश आने वाले दिनों में एक बड़े आंदोलन का रूप ले सकता है।

खबर संक्षेप

3.83 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ युवक गिरफ्तार, 78 हजार रुपये की खेप जब्त

अनूपपुर। मादक पदार्थों के अवैध कारोबार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत कोतवाली पुलिस ने एक ड्रग तस्कर को ब्राउन शुगर के साथ गिरफ्तार कर महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 3.83 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद की है, जिसकी अनुमानित कीमत करीब 78 हजार रुपये बताई गई है। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर यह पता लगाने में जुटी है कि मादक पदार्थ उसे कहां से मिला और इसका नेटवर्क किन-किन लोगों तक फैला हुआ है। पुलिस अधीक्षक विक्रांत मुराब (आईपीएस) के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम एवं एसडीओपी नवीन तिवारी के मार्गदर्शन में चलाए जा रहे अभियान के तहत रविवार रात थाना प्रभारी निरीक्षक अरविंद जैन के नेतृत्व में विशेष टीम ने कार्रवाई की। मुखबिर से सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने पॉलीटेक्निक कॉलेज रोड क्षेत्र में घेराबंदी कर एक संदिग्ध युवक को पकड़ा। विधिवत तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 3.83 ग्राम ब्राउन शुगर बरामद हुई। पुलिस ने मादक पदार्थ जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान शिव तिवारी उर्फ शिवम (20 वर्ष), पिता शिवशंकर तिवारी, निवासी वार्ड क्रमांक-2, नई सब्जी मंडी, पटौराटोला, अनूपपुर के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस अधिनियम की धारा 8/21 के तहत प्रकरण दर्ज कर वैधानिक कार्रवाई शुरू कर दी है। पुलिस आरोपी से यह पता लगाने में जुटी है कि ब्राउन शुगर की खेप कहां से लाई गई थी, इसे किसे सप्लाई किया जाना था और इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोग कौन हैं। मामले के हर पहलू की गंभीरता से जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपी शिव तिवारी के विरुद्ध पूर्व से भी विभिन्न आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। उसके आपराधिक रिकॉर्ड के आधार पर भी जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

आकांक्षी विकासखंड कार्यक्रम के तहत समीक्षा बैठक 8 जुलाई को

कटनी। नीति आयोग भारत सरकार द्वारा संचालित आकांक्षी विकासखंड योजना में चयनित रीठी विकासखंड में विभिन्न संकेतकों की प्रगति के संबंध में समीक्षा बैठक जिला पंचायत के सभा कक्ष में बुधवार, 8 जुलाई को जिला पंचायत सीईओ सुश्री हरसिमरनप्रीत कौर की अध्यक्षता में 11 बजे से आयोजित की गई है। जिला पंचायत सीईओ सुश्री कौर ने महिला एवं बाल विकास, स्वास्थ्य,किसान कल्याण तथा कृषि,भूमि संरक्षण, पशुपालन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, शिक्षा, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन, स्वच्छ भारत मिशन एवं पशु चिकित्सा विभाग के जिला एवं जनपद स्तरीय अधिकारियों को संकेतकों को संतृप्त करने हेतु निर्धारित एजेंडा के अनुसार विंडो 2.0 इनोवेटिव प्रोजेक्ट अंतर्गत अंतर्गत डीपीआर तैयार कर विभाग से संबंधित बिंदुवार अद्यतन प्रगति की जानकारी सहित निर्धारित समय एवं स्थान पर अधिकारियों को उपस्थित होने हेतु निर्देश दिए हैं।

सूचना दबाने के आरोपों में घिरा बॉक्साइट प्रबंधन

इ्यूटी पर तैनात चौकीदार की आकाशीय बिजली से मौत

दूसरे दिन ग्रामीणों की सूचना पर हरकत में आया प्रशासन

तीन साल से बंद अस्पताल और सुरक्षा व्यवस्था पर उठे गंभीर सवाल

अनूपपुर/राजेंद्रग्राम। जिले के राजेंद्रग्राम थाना क्षेत्र अंतर्गत संचालित चचानडीह बॉक्साइट खदान में ड्यूटी के दौरान एक चौकीदार की आकाशीय बिजली गिरने से हुई मौत ने खदान प्रबंधन की कार्यप्रणाली पर कई गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हादसे के बाद प्रबंधन पर घटना की जानकारी छिपाने, पुलिस और प्रशासन को समय पर सूचना नहीं देने तथा कानूनी प्रक्रिया की अनदेखी करने के आरोप लग रहे हैं। ग्रामीणों का दावा है कि यदि गांव के लोगों ने अगले दिन प्रशासन को सूचना नहीं दी होती, तो मामला शायद दबा दिया जाता। जानकारी के अनुसार सोन सिंह बैगा (57 वर्ष), पिता गोड़ी बैगा, निवासी ददराटोला, चचानडीह बॉक्साइट खदान में चौकीदार के रूप में कार्यरत थे। बताया जाता है कि घटना के समय वह अपनी नियमित ड्यूटी पर तैनात थे। इसी दौरान मौसम अचानक खराब हुआ और तेज गर्जना के साथ गिरी आकाशीय बिजली की चपेट में आने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार घटना इतनी भयावह थी कि उन्हें संभलने तक का मौका नहीं मिला।

ग्रामीणों का आरोप प्रबंधन ने छिपाई घटना

हादसे के बाद सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि खदान प्रबंधन ने पुलिस, राजस्व विभाग अथवा स्थानीय प्रशासन को तत्काल सूचना क्यों नहीं दी। ग्रामीणों का आरोप है कि घटना के बाद आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूरी कराने के बजाय मृतक का शव सीधे उसके घर पहुंचा दिया गया। औद्योगिक क्षेत्र में ड्यूटी के दौरान हुई मृत्यु के मामले में यह गंभीर प्रश्न खड़ा करता है कि क्या नियमों का पालन किया गया या उन्हें दरकिनार कर मामले को शांत करने का प्रयास हुआ।

दूसरे दिन सरपंच की सूचना पर पहुंची पुलिस

ग्रामीणों के अनुसार घटना की जानकारी अगले दिन गांव के सरपंच तक पहुंची। इसके बाद सरपंच ने डायल-112 के माध्यम से पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही राजेंद्रग्राम पुलिस, चिकित्सकीय दल और राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने पंचनामा तैयार किया, घटनास्थल का निरीक्षण किया और आवश्यक वैधानिक कार्रवाई प्रारंभ की। अब पूरे घटनाक्रम की जांच की जा रही है।

तीन साल से बंद पड़ा अस्पताल, मजदूरों की जान जोखिम में

इस घटना ने खदान क्षेत्र में श्रमिकों की सुरक्षा व्यवस्था की पोल भी खोल दी है। ग्रामीणों का कहना है कि खदान परिसर में श्रमिकों के उपचार के लिए अस्पताल का निर्माण किया गया था, लेकिन वह पिछले लगभग तीन वर्षों से बंद पड़ा है। अस्पताल बंद होने के कारण किसी भी दुर्घटना की स्थिति में प्राथमिक उपचार तक उपलब्ध नहीं हो पाता। मजदूरों को कई किलोमीटर दूर अस्पताल ले जाना पड़ता है, जिससे कई बार घायल की जान पर बन आती है। सवाल यह भी उठ रहा है कि करोड़ों रुपये के औद्योगिक संचालन के बीच श्रमिकों के लिए बुनियादी स्वास्थ्य सुविधा तक उपलब्ध क्यों नहीं है।

क्या सुरक्षा मानकों का हो रहा था पालन?

आकाशीय बिजली जैसी प्राकृतिक आपदाओं के दौरान खदानों में कार्यरत कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए विशेष दिशा-निर्देश और आपातकालीन प्रोटोकॉल बनाए जाते हैं। ऐसे में यह भी जांच का विषय है कि घटना के समय मौसम खराब होने के बावजूद क्या सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा था, क्या कर्मचारियों को सुरक्षित स्थान पर भेजने के निर्देश दिए गए थे और क्या खदान प्रबंधन के पास आपदा से निपटने की कोई प्रभावी व्यवस्था मौजूद थी।

ग्रामीणों में आक्रोश, निष्पक्ष जांच की मांग

घटना के बाद ददराटोला और आसपास के गांवों में लोगों में भारी नाराजगी है। ग्रामीणों ने पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने, घटना की सूचना छिपाने के आरोपों की जांच करने तथा दोषी पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों और खदान प्रबंधन के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की मांग की है। साथ ही बंद पड़े अस्पताल को तत्काल शुरू करने, श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य एवं सुरक्षा सुविधाएं सुनिश्चित करने तथा भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग भी की गई है।

जांच के बाद ही साफ होगी तस्वीर

फिलहाल राजेंद्रग्राम पुलिस मामले की जांच कर रही है। पुलिस का कहना है कि घटनाक्रम के सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। जांच रिपोर्ट आने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि प्रबंधन ने नियमानुसार कार्रवाई की या नहीं, सूचना देने में लापरवाही बरती गई अथवा घटना को दबाने का प्रयास किया गया। लेकिन इस हादसे ने एक बार फिर खदान क्षेत्र में श्रमिकों की सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं और औद्योगिक प्रबंधन की जवाबदेही पर बड़े सवाल जरूर खड़े कर दिए हैं।

मेंटेनेंस के नाम पर करोड़ों का खर्च पहली ही बारिश में बिजली व्यवस्था बेपटरी!

हल्की बारिश में घंटों अंधेरे में डूबा अनूपपुर, उमस से बेहाल रहे हजारों उपभोक्ता

लोगों का आरोप हर साल मेंटेनेंस के दावे, लेकिन जमीनी हकीकत पहली बारिश में ही उजागर

जवाबदेही तय करने की उठी मांग

अनूपपुर। मानसून की पहली दस्तक ने ही अनूपपुर जिले की बिजली व्यवस्था की तैयारियों की वास्तविक तस्वीर सामने ला दी है। शनिवार को हुई हल्की बारिश के बाद शहर सहित जिले के कई इलाकों में घंटों तक बिजली आपूर्ति बाधित रही। बारिश थमने के काफी समय बाद भी कई मोहल्लों में अंधेरा पसरा रहा। उमस भरी गर्मी के बीच बिजली गुल होने से लोग घरों में बेहाल रहे, वहीं पेयजल व्यवस्था, व्यापारिक गतिविधियां, छोटे उद्योग, ऑनलाइन सेवाएं और विद्यार्थियों की पढ़ाई तक प्रभावित हुई। लगातार बिजली कटौती से नाराज लोगों ने बिजली विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाते हुए मेंटेनेंस व्यवस्था की निष्पक्ष जांच की मांग की है। बिजली विभाग हर वर्ष मानसून से पहले बड़े स्तर पर मेंटेनेंस अभियान चलाने का दावा करता है। विभागीय अधिकारियों के अनुसार बिजली लाइनों की मरम्मत, पेड़ों की छंटाई, जर्जर तारों का परिवर्तन, ट्रांसफार्मरों की जांच और अन्य आवश्यक कार्य किए जाते हैं, ताकि बारिश के मौसम में निर्बाध बिजली आपूर्ति बनी रहे। लेकिन उपभोक्ताओं का कहना है कि पहली ही हल्की बारिश में यदि घंटों बिजली गुल हो जाए तो ऐसे मेंटेनेंस के दावों की विश्वसनीयता पर सवाल उठना स्वाभाविक है। शहर के कई इलाकों में बिजली गुल होने के कारण इन्वर्टर भी जवाब दे गए। गर्मी और उमस के कारण छोटे बच्चों, बुजुर्गों और बीमार लोगों को सबसे अधिक परेशानी का सामना करना पड़ा। कई स्थानों पर पानी की मोटरें नहीं चल सकीं, जिससे पेयजल संकट की स्थिति भी बनी। दुकानों, प्रतिष्ठानों और छोटे व्यवसायों में काम प्रभावित हुआ। इंटरनेट आधारित कार्य करने वाले लोगों को भी घंटों तक परेशानी झेलनी पड़ी। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जिले में अब यह स्थिति आम होती जा रही है कि हल्की बारिश या तेज हवा चलने पर भी बिजली आपूर्ति बाधित हो जाती है। लोगों का आरोप है कि जर्जर लाइनों, पुराने उपकरणों और समय पर रखरखाव नहीं होने के कारण बार-बार फॉल्ट की समस्या सामने आती है।

उनका कहना है कि यदि समय रहते तकनीकी कमियों को दूर किया जाता तो मामूली बारिश में इतनी बड़ी समस्या उत्पन्न नहीं होती। कई उपभोक्ताओं ने यह भी आरोप लगाया कि शिकायत दर्ज कराने के बाद भी समय पर संतोषजनक जवाब नहीं मिला। कुछ लोगों का कहना है कि शिकायत केंद्रों पर केवल फॉल्ट सुधार का कार्य जारी है कहकर औपचारिक जवाब दिया गया, जबकि बिजली बहाली में घंटों का समय लग गया। इससे लोगों में विभाग के प्रति नाराजगी और बढ़ गई। जानकारों का मानना है कि मानसून के दौरान बिजली व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए प्री-मानसून मेंटेनेंस सबसे महत्वपूर्ण माना जाता है। यदि इस दौरान लाइनों की मरम्मत, इंसुलेटरों की जांच, ट्रांसफार्मरों का परीक्षण और पेड़ों की छंटाई प्रभावी ढंग से की जाए तो बारिश के मौसम में फॉल्ट की संभावना काफी कम हो जाती है। ऐसे में पहली ही बारिश में व्यापक बिजली बाधित होना विभाग की तैयारियों पर सवाल खड़े करता है। अब जबकि मानसून की शुरुआत ही हुई है, लोगों की चिंता यह है कि यदि आगे तेज बारिश और आंधी-तूफान का दौर शुरू हुआ तो हालात और अधिक गंभीर हो सकते हैं। नागरिकों ने जिला प्रशासन से मांग की है कि बिजली विभाग द्वारा किए गए मेंटेनेंस कार्यों की समीक्षा कराई जाए, जर्जर बिजली नेटवर्क को तत्काल दुरुस्त किया जाए तथा भविष्य में उपभोक्ताओं को ऐसी परेशानियों से बचाने के लिए ठोस और स्थायी कार्ययोजना लागू की जाए। फिलहाल, पहली ही बारिश ने यह सवाल जरूर खड़ा कर दिया है कि जब हर वर्ष करोड़ों रुपये के मेंटेनेंस का दावा किया जाता है, तो फिर मामूली बारिश में घंटों बिजली गुल होने की नौबत आखिर क्यों आती है? इस सवाल का जवाब अब बिजली विभाग और जिम्मेदार अधिकारियों को देना होगा।

सशक्त राष्ट्र निर्माण में हर कार्यकर्ता निभाएं अपनी भूमिका-सांसद

डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का सपना आज हुआ साकार-मंत्री दिलीप जायसवाल

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। भारतीय जनता पार्टी जिला अनूपपुर के तत्वावधान में जिला अध्यक्ष हीरा सिंह श्याम की अध्यक्षता में सोमवार को भाजपा कार्यालय अनूपपुर में जनसंघ के संस्थापक डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के अवसर पर विशाल कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश शासन के कुटीर एवं ग्रामीण उद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दिलीप जायसवाल थे।

विशिष्ट अतिथियों में शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह, जिला प्रभारी संजय साहू, पूर्व जिला अध्यक्ष अनिल गुप्ता, रामदास पुरी, आधाराम वैश्य, जिला महामंत्री श्याम नारायण शुक्ला एवं सिद्धार्थ शिव सिंह सहित अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि मंत्री दिलीप जायसवाल ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी का संपूर्ण जीवन राष्ट्र निर्माण के लिए समर्पित रहा। उन्होंने जम्मू-कश्मीर में एक देश में दो निशान, दो विधान और दो प्रधान का विरोध करते हुए राष्ट्रीय एकता के लिए संघर्ष किया। उन्होंने कहा कि डॉ. मुखर्जी ने जिस अखंड भारत और सशक्त राष्ट्र का सपना देखा था, वह आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में साकार हो रहा है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से केंद्र एवं प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने का आह्वान करते हुए कहा कि भाजपा कार्यकर्ता होने पर हम सभी को गर्व होना चाहिए। शहडोल संसदीय क्षेत्र की सांसद श्रीमती हिमाद्री सिंह ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता वर्ष के 365 दिन पूरी निष्ठा एवं ईमानदारी से संगठन के लिए कार्य करता है। यही कारण है कि एक सामान्य कार्यकर्ता भी अपनी मेहनत और योग्यता के बल पर सर्वोच्च दायित्व तक पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में प्रत्येक कार्यकर्ता की महत्वपूर्ण भूमिका है। केंद्र की मोदी सरकार एवं मध्य प्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार जनहित में लगातार कार्य कर रही है। यदि किसी कार्य में समय लगता है तो निराश होने की आवश्यकता नहीं है। सशक्त राष्ट्र निर्माण के लिए सभी कार्यकर्ताओं को पूरी निष्ठा के साथ कार्य करना होगा। सम्मेलन में उपस्थित अन्य अतिथियों ने भी अपने उद्बोधन में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों पर चलने का आहवान किया। कार्यक्रम में भाजपा के जिला पदाधिकारी, मोर्चा एवं प्रकोष्ठों के पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि तथा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन भाजपा जिला महामंत्री सिद्धार्थ शिव सिंह के द्वारा किया गया। उक्त जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी राजेश सिंह द्वारा प्रदान की गई।

स्थानांतरण आदेशों पर हाईकोर्ट की रोक, शिक्षकों को मिली बड़ी राहत

अनूपपुर। स्थानांतरण आदेशों को चुनौती देने वाले शिक्षकों को उच्च न्यायालय से बड़ी राहत मिली है। मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय, जबलपुर ने सुनवाई के दौरान दो शिक्षकों के स्थानांतरण आदेशों पर अंतरिम रोक (स्टे) लगा दी है। जानकारी के अनुसार, अनूपपुर जिले के विद्या निकेतन हायर सेकेंडरी स्कूल, बदरा कालरी में पदस्थ माध्यमिक शिक्षक शिवनारायण शर्मा (गणित) का स्थानांतरण शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल, देवगवा कर दिया गया था। स्थानांतरण आदेश निरस्त कराने के लिए उन्होंने सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास विभाग, अनूपपुर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं होने पर उन्होंने उच्च न्यायालय जबलपुर की शरण ली। याचिका पर सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालय ने 2 जुलाई को स्थानांतरण आदेश के क्रियान्वयन पर अंतरिम रोक लगा दी। न्यायालय के इस आदेश से शिक्षक को फिलहाल अपने वर्तमान पदस्थापन पर कार्य करने की राहत मिल गई है। इसी प्रकार गोपाल नारायण श्रीवास्तव, जिनका स्थानांतरण शासकीय ज्ञानोदय विद्यालय, रीवा से शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल, कमचा, विकासखंड कुसुमी, जिला सीधी किया गया था, उन्हें भी उच्च न्यायालय से राहत मिली है। न्यायालय ने उनके स्थानांतरण आदेश पर भी अंतरिम स्टे प्रदान किया है। शिक्षकों का कहना है कि स्थानांतरण प्रक्रिया में नियमों और निर्धारित प्रावधानों का पालन नहीं किया गया था, जिसके चलते उन्हें न्यायालय का दरवाजा खटखटाना पड़ा। न्यायालय द्वारा दोनों मामलों में अंतरिम राहत दिए जाने के बाद ऐसे अन्य शिक्षक भी कानूनी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं, जो स्थानांतरण आदेशों से असंतुष्ट हैं। उच्च न्यायालय के इस आदेश को प्रदेश में चल रही स्थानांतरण प्रक्रिया के बीच एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम माना जा रहा है। अब संबंधित मामलों में अंतिम निर्णय न्यायालय की आगामी सुनवाई के बाद होगा।

फलदार पौधों का हो रोपण, एक सप्ताह में पूरा करें शत-प्रतिशत नामांकन

सर्पदंश व आकाशीय बिजली की घटनाओं पर रहे कड़ी निगरानी-कलेक्टर

हरिभूमि न्यूज अनूपपुर। जिले में वर्षा ऋतु के दौरान राहत, सुरक्षा और विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। एक पेड़ मां के नाम अभियान को जनआंदोलन का रूप देते हुए गुणवत्तायुक्त फलदार पौधों का रोपण कराया जाए तथा कक्षा 1 से 8 तक के शेष सभी बच्चों का एक सप्ताह के भीतर शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित किया जाए। यह निर्देश कलेक्टर हर्षल पंचोली ने सोमवार को कलेक्ट्रेट स्थित नर्मदा सभागार में आयोजित समय-सीमा पत्रों एवं विभागीय योजनाओं की समीक्षा बैठक में अधिकारियों को दिए। कलेक्टर ने कहा कि 1 जुलाई से 30 सितंबर तक चल रहे एक पेड़ मां के नाम अभियान में केवल अधिकृत नर्सरियों से गुणवत्तायुक्त एवं फलदार पौधे खरीदे जाएं। पौधरोपण के बाद उनकी सुरक्षा के लिए ट्री-गार्ड लगाए जाएं तथा प्रतिदिन फोटो अपलोड कर प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की जाए, ताकि अभियान केवल औपचारिकता न बनकर स्थायी हरियाली का माध्यम बने। बैठक में शिक्षा विभाग की समीक्षा के दौरान कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिले में शेष सभी बच्चों का नामांकन अभियान चलाकर आगामी एक सप्ताह में पूरा किया जाए। समीक्षा में बताया गया कि अब तक 94.3 प्रतिशत नामांकन हो चुका है। उन्होंने आंगनबाड़ी केंद्रों से विद्यालयों में प्रवेश की प्रक्रिया तेज करने, महिला एवं बाल विकास तथा शिक्षा विभाग के बेहतर समन्वय से कार्य करने तथा विद्यार्थियों को निरूशुल्क पुस्तक एवं साइकिल वितरण के लंबित प्रकरणों का तत्काल निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए । वर्षा ऋतु में हाथियों की बढ़ती गतिविधियों को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने स्पष्ट कहा कि फसल, मकान, पशुधन अथवा जनहानि से प्रभावित परिवारों को क्षतिपूर्ति राशि तत्काल उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने वन विभाग को हाथियों की गतिविधियों पर चौबीसों घंटे निगरानी रखने, प्रभावित गांवों में सतर्कता बढ़ाने तथा प्रतिदिन रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने दो टूक कहा कि मुआवजा वितरण में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। बैठक में वर्षा जनित आपदाओं को लेकर भी विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने कहा कि सर्पदंश, आकाशीय बिजली, मकान क्षति एवं पशुहानि जैसी घटनाओं की प्रतिदिन रिपोर्टिंग पटवारियों द्वारा की जाए तथा तहसीलदार उसकी नियमित मॉनिटरिंग करें। वहीं जलजनित रोगों की रोकथाम के लिए लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग, नगरीय निकायों एवं ग्राम पंचायतों को सभी पेयजल स्रोतों की जांच, क्लोरीनेशन तथा सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

कार्यालय नगर पालिका परिषद पसान, जिला-अनूपपुर (म.प्र.)

1315/ई-टेंडरिंग/पसान/2026 **(तृतीय आमंत्रण) अनुभाग-1** पसान, दिनांक: 03.07.2026

निम्नलिखित कार्यों के लिये ऑनलाइन प्रतिशत दर की निविदा पंजीकृत ठेकेदारों और पंजीकरण मानदंडों को पूरा करने वाली फर्मों से आमंत्रित की जाती है :-

क्र. /टेंडर क्र.	कार्य का नाम	अनुमानित लागत राशि (रुपये) लाख में	धरोहर राशि (EMD) (रुपये में)	निविदा प्रपत्र की लागत (रुपये में)	ठेकेदार की श्रेणी	पूर्णत: की अवधि (दिन में)
2026_UAD_519239_1	1. Design and build sewage treatment plant of installed capacity 1.75 MLD and all appurtenant structures and allied works. 2. Survey, review the designs, redesign where necessary and diversion works of Nallahs with interception sewer of diameter 800mm comprising of RCC NP3 pipes of about 100m length and strengthening of Drain of 1690 m including all appurtenant structures and allied works.	749.13/-	374565/-	20000/-	Valid registration with the government of Madhya Pradesh PWD.	12 months including rainy season

1.इच्छुक निविदाकार वेबसाइट https://mptenders.gov.in/nicgep/app पर एनआईटी देख सकते हैं। 2. निविदा प्रपत्र 18:55 समय 03/07/2026 दिनांक से 18:55 समय 10/07/2026 तक ऑनलाइन खरीदा जा सकता है। 3. एनआईटी में संशोधन यदि कोई हो तो केवल वेबसाइट पर प्रकाशित किया जाएगा और समाचार पत्र में नहीं। 4. विस्तृत जानकारी कार्यालयीन समय में निर्माण शाखा में देखी व प्राप्त की जा सकती है।

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद, पसान

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद पसान
जिला- अनूपपुर (म.प्र.)